एम. ए. (नाट्यकलाशास्त्र)
M.A. (Dramatic Arts)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome Based Curriculum

Year- 2020

अध्यक्ष / HEAD
...कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A.H. Vishwavidyalaya, WARDHA

प्रदर्शनकारी कला विभाग
Department of Performing Arts
महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome Based Curriculum (LOCF)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें संहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

साहित्य विद्यापीठ विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत स्थापित प्रारम्भिक चार विद्यापीठ में से एक है. हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साथ संवाद, तुलनात्मक अध्ययन, शोध एवं प्रदर्शनकारी कलाओं (फिल्म एवं थियेटर) का अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ की अभीष्ट गतिविधियाँ हैं। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय मस्तिष्क और उसकी सृजनशीलता एवं साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। भाषा और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किंतु उनका सर्जकमानस और आस्वादकचित्त अपने संस्कारों के भेद के बावजूद बुनियादी प्रकृति में एक-सा है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएं है। इन संभावनाओं कासन्धान और शोध विद्यापीठ की प्राथमिकता है। इसके अकादमिक उद्देश्यों की उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव की सम्पुष्टि भी अभीप्सित है।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध परम्परा मान्य है। नयी प्रौद्योगिकी और मीडिया से भी साहित्य का अपरिहार्य संबंध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अन्तरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य विद्यापीठ की प्राथमिकताओं में है। एकल साहित्य अध्ययन तुलनात्मक भारतीय साहित्य तथा प्रदर्शनकारी कलाओं का अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रतिश्रुति है।

3. विभाग /केंद्र की कार्य योजना (Action plan of the Department)

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme) ❖ सर्टिफिकेट कार्यक्रम (Certificate Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	-
शोध **Research**	विभागद्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme)
	शोध-परियोजना (Research Project)
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग।
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning forthe Publication (if any)	कलाकोश का निर्माण

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम** : प्रदर्शनकारी कला विभाग
   (Name of the Department/Centre) Department of Performing Arts

2. **पाठ्यक्रम का नाम :** एम. ए. (नाट्यकलाशास्त्र)
   Name of theProgramme- M.A.(Dramatic Art)

3. **पाठ्यक्रम कोड:** एमडीएसी
   (Code of theProgramme: MDAC

4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
भारतीय कला, संस्कृति तथा सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित ज्ञान अर्जित करना। कला के सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए वैचारिक ऊर्जा तथा विवेक का निर्माण करना। कला अथवा नाट्यकला के अध्ययन के माध्यम से जीवन मूल्यों का निर्माण करना। कला अध्ययन के माध्यम से राष्ट्र की भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना को संपुष्ट करना।	नाट्यकला के माध्यम से व्यक्तित्व एवं विवेक का विकास के साथ कला अभ्यास के माध्यम से भाषाई कौशल का विकास करना। सृजनात्मक आयोजनों में सहभागिता के द्वारा लेखन, वाचन तथा श्रवण के साथ कल्पनाशक्ति का विकास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास करना। शिल्पगत कलाओं के अभ्यास से विभिन्न प्रकार के शिल्प कला में पारंगत होना। कला प्रशासक, प्रबंधक तथा संरक्षक जैसे विशिष्ट गुणों का विकास करना। कला समीक्षा तथा विवेचन कीअभिवृद्धि करना।	विभिन्न प्रोडक्शनहाउस (फिल्म तथा नाटक) में आर्ट डिजाइनर, प्रकाश परिकल्पक,वेशभूषाकार, रुपसज्जाकार, अभिनेता, निर्देशक, कला प्रबंधक, कला प्रशासक, कला संरक्षक तथा कला पत्रकारिता आदि के क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं सुलभ हो सकेंगे।

5. **पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):**

अ. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एवं परीक्षा हेतु विशविद्यालय के समस्त वर्तमान नियम एवं उपनियम लागू होंगे। प्रवेशार्थियों से अपेक्षा है कि वे इन समस्त नियमों एवं उपनियमों का भली भांति अध्ययन कर ले।

ब. श्रेणी एवं क्रेडिट पद्धिति विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार प्रभावी होगी।

क. नाट्यकला से संबंधित सभी व्यावहारिक प्रश्न पत्रों में नाट्य प्रस्तुति हेतु आलेखों का चयन यथासंभव पाठ्यक्रम में निर्धारित आलेखों में से किया जायेगा। पाठ्यक्रम से बाहर के नाटयालेखों के मंचन की दशा में विभागाध्यक्ष की अनुमति आवश्यक होगी।

ड. प्रत्येक छात्र को नाटयप्रस्तुति में दिया गया कार्य करना अनिवार्य होगा। व्यावहारिक परीक्षा समग्र भागीदारी पर आधारित होगी

6. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम. ए. (नाट्यकलाशास्त्र) हेतु पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी- मूल पाठ्यचर्या 64 क्रेडिट विभाग द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध है। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय के किसी विभाग/केंद्र से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

अध्यक्ष / HEAD
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA
3/10/2019

पाठ्यचर्या रूपरेखा(Curriculum Outline)

सेमेस्टर	मूल			योग	ऐच्छिक			योग	
	क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट		क्र.	प्रश्न पत्र का नाम	क्रेडिट	योग	
पहला	1.	कलाशास्त्र	04	16	1.	नाट्यकला तथा उसके विविध आयाम	02	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	नाट्यशास्त्र एवं आद्य रंगमंच	04		2.	भारतीय कलाएं	04		
	3.	प्राचीन ग्रीक एवं रोमन नाट्य	04						
	4.	अभिनय पद्धति एवं प्रयोग/ (नाट्यशास्त्र एवं यूनानी रंगमंच के विशेष संदर्भ में) व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी - 02	04						
दूसरा	1.	संस्कृत नाटक और रंगमंच	04	16	1.	शिक्षा में रंगमंच	04	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06 =22
	2.	पारंपरिक एवं लोकनाट्य	04		2.	कला पत्रकारिता	02		
	3.	एशियाई पारंपरिक नाट्य (चयनित देश तथा नाट्य)	04						
	4.	अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग (लोक, संस्कृत तथा चयनित एशियाई नाट्य रूप) व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी –02	04						
तीसरा	1.	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	04	16	1.	लोकनाट्य	04	08	मूल 16+ ऐच्छिक 08 =24
	2.	पाश्चात्य रंगमंच (आधुनिक यूरोप के प्रमुख नाटककार एवं नाट्य सिद्धांत	04		2.	रंगमंच और समाज कार्य	04		

		सहित)							
	3.	नाट्य लेखन एवं समालोचना (भारतीय एवं पाश्चात्य)	04						
	4.	नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति प्रक्रिया व्यावहारिक- 02 सैद्धांतिकी –02	04						
चौथा	1.	समकालीन रंगमंच की विविध धाराएं (भारतीय एवं पाश्चात्य)	04	16	1.	भारतीय डायस्पोरा देशों के कलारूपों का परिचयात्मक अध्ययन	02	06	मूल 16+ ऐच्छिक 06=22
	2.	भारतीय भाषाओं का रंगमंच (मराठी, बाड़ला, कन्नड, मलयालम, असमिया, माणिपुरी,का संक्षिप्त परिचय या किसी एक का विशिष्ट अध्ययन	04		2.	कला नीति , संरक्षण एवं प्रबंधन	04		
	3.	कला नीति, संरक्षण एवं प्रबंधन	04			-			
	4.	लघु शोध	04						
कुल क्रेडिट				64				26	90

एम. ए .(नाट्यकलाशास्त्र)

सत्र -2020-2022 **मूल पाठ्यचर्या** **कुल क्रेडिट -64**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/	9+6=15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संग्रहालयों/ई -संग्रहालय एवं अन्य पुरातात्विक स्थलों का व्यतिगत परिभ्रमण
कौशल विकास गतिविधियाँ	कला परंपरा का ज्ञान,कला आधारित जीवन मूल्यों की समझ
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** कलाशास्त्र **(Name of the Course)-**
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** MDAC01 **(Code of the Course)**
3. **क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर:** प्रथम **(Credit-04) (Semester- First)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय तथा पाश्चात्य कलाशास्त्र का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को कला विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय कला परंपरा तथा कलादर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- भारतीय कला लक्षणग्रंथों से परिचित हो सकेगा
- कलाशास्त्र की वैश्विक परंपरा से सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- संगीत, नृत्य , चित्र तथा स्थापत्य कला आदि विधा से अवगत हो सकेगा
- नाट्यकला एवं अन्य संवद्ध कलाओं के अंत: संबंधों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..Interaction/ Training/ Laboratory		

अन्विति -1	भारतीय कलाओं का उद्भव तथा विकास, वर्गीकरण, विभिन्न कलारूप, कला लक्षणग्रंथ, कला दर्शन एवं सौंदर्य	**18**	**04**	**02**	24	40
अन्विति -2	कला की वैश्विक परंपरा- उद्भव, विकास, सिद्धांत (ग्रीक, यूरोपीय कला नवजागरण, चीन, जापान आदि का विशेष अध्ययन)	**13**	**3**	**2**	**18**	30
अन्विति -3	लोक एवं जनजातीय कलाएँ (भारतीय, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण प्रशांत (मओरी आर्ट), नेटिव अमेरिकन आदि कलाओं का सामान्य परिचय)	**10**	**01**	**01**	**12**	20
अन्विति -4	संगीत, नृत्य , चित्र तथा स्थापत्य, पुतुल कला का परिचयात्मक अध्ययन तथा अन्य संबद्ध कलाओं का नाट्यकला में अनुप्रयोग	4	01	01	6	10
योग		**45**	**9**	**6**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. स्वतंत्र कलाशास्त्र - के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 2. कला- हंस कुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना 3. गौरवशाली भारतीय संस्कृति – प्रो. रजनीश शुक्ल, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली। 4 . कला विवेचन- कुमार विमल , भारती भवन,पटना 5 . कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 6. काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद , पञ्चम संस्करण,1958 7. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 8. पाश्चात्य कला – ममता चतुर्वेदी , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी , जयपुर 9. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. कोठारी,कोमल- साहित्य, संगीत और कला , जयपुर ,1960 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर, वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर, अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद, 1958) 4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली 7. कला, साहित्य और संस्कृति- ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्र कार्य	प्राचीन तथा पुरातात्विक स्थलों के नाट्य /रंगशाला का पर्यवेक्षण
कौशल विकास गतिविधियाँ	भारतीय नाट्य के बीज स्वरूपों तथा सि का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: नाट्यशास्त्र एवं आद्य रंगमंच
(Name of the Course)

4. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC02
(Code of the Course)

5. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम
(Credit-04) (Semester- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्यशास्त्र से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को भारतीय नाट्य चिंतन और प्रयोग से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय नाट्य के बीज स्वरूपों का सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- भारतीय नाट्य लक्षणग्रंथों से परिचित हो सकेगा
- भारतीय नाट्य चिंतन परंपरा और प्रयोगों को जान सकेगा
- भारतीय नाट्य लक्षणग्रंथों में वर्णित नाट्यकला से संवद्ध अन्य कलाओं को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल(यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	आद्य रंगमंच (भारतीय आख्यानों, वेद, पुराणों, तमिल महाकाव्य, बौद्ध ग्रंथों में वर्णित नाट्य)	12	04	02	18	30
अन्विति -2	नाट्यशास्त्र- सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य विषय, रचना काल, नाट्यशास्त्रकालीन समाज और संस्कृति, नाट्य सिद्धांत तथा प्रयोगों के विभिन्न पक्षों का अध्ययन (अभिनय, रस ,प्रेक्षागृह, धर्मी ,वृत्ति ,प्रवृत्ति, चारी, सिद्धि आदि)	24	04	02	30	50

अन्विति -3	भरत के परवर्ती नाट्य चिंतक	**08**	**02**	**02**	**12**	20
योग		**44**	**10**	**06**	**60**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	X	X	-	-	-	-

टिप्पणी:

X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता हैएक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

(25%)					
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नाट्यशास्त्र - संपादक – बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी 2. भारत और उसकी नाट्यकला - सुरेन्द्रनाथ दीक्षित 3. भरत और उनका नाट्यशास्त्र – ब्रजवल्लभ मिश्र, हिंदुस्तानी अकादेमी , इलाहाबाद 4. नाट्यशास्त्र का इतिहास –पारसनाथ द्विवेदी
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. रंगमंच- शेल्डान चेनी 2. अद्भुत भारत – ए. एल. वाशम
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	9+6=15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संग्रहालयों/ई -संग्रहालय एवं अन्य स्रोतों से मोडल बनाना , वेश भूषा, मुखौटे बनाना
कौशल विकास गतिविधियाँ	पश्चिमी नाट्य कला परम्परा की समझ, ग्रीक व रोमन स्थापत्य, नाट्य प्रयोगों का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम: प्राचीन ग्रीक एवं रोमन नाट्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम
(Credit-04) (Semester- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पाश्चात्य रंगमंच का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को प्राचीन ग्रीक एवं रोमन नाट्य कला के सिधान्तों व प्रयोगों का ज्ञान प्रदान करवाना एवं वहां के ग्रन्थों का सामान्य ज्ञान प्रदान करनाहै।

6.अपेक्षित अधिगम परिणामCLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

- प्राचीन ग्रीक एवं रोमन नाट्य कला परंपरा तथा कलादर्शन का सामान्य परिचय ग्रहण करपाएगा
- प्राचीन पश्चिमी नाट्य ग्रंथों से परिचित हो सकेगा
- नाट्य की वैश्विक परंपरा से परिचय ग्रहण करपाएगा
- ग्रीक तथा रोम के संगीत, नृत्य ,चित्र तथा स्थापत्य कला आदि विधा से अवगत हो सकेगा
- नाट्यकला के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरिल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	ग्रीक नाटक का उद्भव तथा विकास, प्रेक्षाग्रह, वेशभूषा, मुखौटे आदि का अध्ययन	15	04	02	21	3 0
अन्विति-2	ग्रीक नाटक तथा नाटककार	12	3	2	17	30

अन्विति -3	अरस्तू के काव्यशास्त्र का परिचय (विरेचन, नाटक/काव्य के तत्व)	08	**01**	**01**	10	
अन्विति -4	रोमन नाटक का विकास, नाटक , नाटककार तथा प्रेक्षाग्रह	10	01	01	12	
योग			**9**	**6**	**60**	100

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 2. ब्रोकेट , ओस्कर ,हिस्ट्री ऑफ़ थिएटर , पिएर्सन पब्लिकेशन 3.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिध्धांत ,कुसुम प्रकाशन 4 . वेल्स , डेविड , ग्रीक थिएटर परफॉरमेंस, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस 5 . सिअर , फ्रैंक , रोमन थिएटरस , ऑक्सफ़ोर्ड मोनोग्राफ 6. अरस्तू का काव्यशास्त्र
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.नसीम , कमल ,ग्रीक नाट्य कला कोष,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धात , राजकमल प्रकाशन

		3. सिंघल , डॉ , अरस्तू और भरत , अरुण प्रकाशन , चंडीगढ़ 4.शर्मा ,देवेन्द्र नाथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,मयूर प्रकाशन , नॉएडा
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाल एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. **पाठ्यचर्या का नाम: अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग (नाट्यशास्त्र एवं यूनानी रंगमंच के विशेष संदर्भ में)**
   (Name of the Course)
2. **पाठ्यचर्या का कोड:** MDAC04
   (Code of the Course)
3. **क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम**
   (Credit-04) (Semester-First)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	नाट्यशास्त्र एवं यूनानी अभिनय का अभ्यास
कौशल विकास गतिविधियाँ	अभिनय नाट्य शास्त्रीय, यूनानी अभिनय शैली को सीखना
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्यशास्त्र एवं यूनानी अभिनय सिद्धान्त और पध्दतियों का अध्ययन करते हुए इसका व्यावहारिक कौशल उत्पन्न करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय संस्कृत अभिनय पद्धति का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- यूनानी एवं नाट्यशास्त्र की अभिनय शैलियों से परिचित हो सकेगा
- यूनानी एवं नाट्यशास्त्र अभिनय परंपरा का ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- यूनानी एवं नाट्यशास्त्र अभिनय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- यूनानी एवं नाट्यशास्त्र अभिनय के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	नाट्यशास्त्र के अभिनय सिद्धांत	12	01	02	15	25
अन्विति -2	यूनानी रंगमंच के अभिनय सिद्धान्त	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	व्यावहारिक –1 – नाट्यशास्त्र के अभिनय का अभ्यास	12	02	01	15	25
अन्विति -4	व्यावहारिक -2- यूनानी अभिनय का अभ्यास	12	02	01	15	2 5
योग			6	6	60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नसीम,कमाल , ग्रीक नाट्य काला कोश, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 2. मिश्र, विश्वनाथ,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,कुसुम प्रकाशन 3. द्विवेदी पारसनाथ ,नाट्यशास्त्र का इतिहास , चौखम्बा प्रकाशन 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्य शास्त्र , चौखम्बा प्रकाशन 5 . वात्स्यायन , कपिला,भरत द नाट्यशास्त्र
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.स्तनिसलावस्की,के., अभिनेता की तैयारी(भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2002 2. आनंद,महेश,अंकुर,देवेंद्रराज,रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन,2008 3. खन्ना,दिनेश,अभिनय चिंतन,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली,२०१२ 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन 5. स्तनिसलावस्की,के., चरित्र की रचना प्रक्रिया (भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2001 6. स्तनिसलावस्की,के., भूमिका की संरचना(भाषांतर-विश्वनाथ मिश्रा),राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2002
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: संस्कृत नाटक और रंगमंच
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit-04) **(Semester-सेकंड)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य संस्कृत नाटक और रंगमंच का अध्ययन करते हुए इसका कौशल उत्पन्न करना है

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- संस्कृत नाटकों से परिचित हो सकेगा
- संस्कृत नाटककारो के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- संस्कृत रंगमंच के विन्यास का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- संस्कृत रंगमंच के विविध आयामों को समझ सकेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	नाट्य अभ्यास
कौशल विकास गतिविधियाँ	संस्कृत रंगमंच के विविध आयामों को समझ सकेगा
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	संस्कृत नाटक एवं रंगमंच का इतिहास	12	01	02	15	25
अन्विति -2	संस्कृत के प्रमुख नाटककारों तथा नाटकों का अध्ययन	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	संस्कृत रंगमंच विन्यास- प्रेक्षागृह,मंचविन्यास,रूप सज्जा, वस्त्रसज्जा आदि का अध्ययन	12	02	01	15	25

अन्विति -4	समकालीन नाट्य प्रयोग स एवं संस्कृत रंगमंच	12	02	01	15	2 5
योग		**48**	**6**	**6**	**60**	**100**

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फ़ोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.राजपुरोहित,भगवतीलाल,संस्कृत नाटक और रंगमंच,शिवालिक प्रकाशन,नई दिल्ली,२००३ 2. गैरोला,वाचस्पति, संस्कृत साहित्य का इतिहास,चौखंबा प्रकाशन,वाराणसी, 3. द्विवेदी पारसनाथ,नाट्यशास्त्र का इतिहास,चौखम्बा प्रकाशन 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्य शास्त्र , चौखम्बा प्रकाशन 5 . वात्स्यायन , कपिला,भरत द नाट्य शास्त्र

2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. वात्स्यायन, कपिला, भारतीय शास्त्रीय नृत्य 2. आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. सिंघल , डॉ , अरस्तू और भरत , अरुण प्रकाशन , चंडीगढ़ 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: पारंपरिक एवं लोकनाट्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC06
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit-02) (Semester- Second)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+06= 18
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	लोकनाट्य महोत्सवों का पर्यवेक्षण
कौशल विकास गतिविधियाँ	लोकनाट्यों की अभिनय पद्धति तथा शिल्प का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पारंपरिक एवं लोकनाट्य से विद्यार्थियों को अवगत करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- लोकनाट्यों की परंपरा से परिचित हो सकेगा
- पारंपरिक नाट्यों का अध्ययन कर सकेगा
- लोक तथा पारंपरिक नाट्यों की अभिनय पद्धति का अध्ययन कर सकेगा
- लोक तथा पारंपरिक नाट्यों की वेशभूषा, मंच विन्यास तथा प्रस्तुति शिल्प का अध्ययन करेगा
- लोक तथा पारंपरिक नाट्यों की संगीतिक पद्धतियों का अध्ययन कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/)		
अन्विति -1	लोकनाट्य- अर्थ, परिभाषा,उद्भव, विशेषताएँ, वर्गीकरण और विकास	08	02	02	12	20
अन्विति -2	भारत के प्रमुख लोकनाट्यों का कथ्य, प्रस्तुति शिल्प, अभिनय तथा कलाकारों आदि का अध्ययन (जात्रा , शुमाङ्गलीला, नटुवा नाच,भांड पाथेर, करियाला, ख्याल ,भवई , सांग , नौटंकी, माच, नाचा, तमाशा ,तेरूकूथु , यक्षगान, मुगल तमाशा आदि	22	06	02	30	50
अन्विति -3	पारंपरिक नाट्यरूपों का अध्ययन – कूड्डीयाट्टम, अंकिया नाट, कीर्तनियाँ , प्रह्लादनाटकम आदि	12	04	02	18	30
योग			12	06	60	100

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग

विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	x	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05 -	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	माथुर, जगदीशचंद्र – परंपराशील नाट्य , बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना। वत्सायन, कपिला – परम्पराशील नाट्य की अनंत धाराएं , नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली। त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण – भारत के लोकनाट्य। भारती, ओम प्रकाश -बिहार के पारंपरिक नाट्य, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र , प्रयागराज भारती, ओम प्रकाश- पूर्वोत्तर के पारंपरिक नाट्य, धरोहर प्रकाशन, साहिबाबाद
2.	संदर्भ-ग्रंथ	भनावत, महेंद्र - लोकनाट्य परंपरा और प्रवृति गार्गी, बलवंत - इंडियन फोक थियेटर
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं-व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत-नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: एशियाई पारंपरिक नाट्य

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: द्वितीय

(Credit-04) (Semester- Second)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12 +8= 20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	पारंपरिक एशियाई नाट्यरूपों
कौशल विकास गतिविधियाँ	एशियाई पारंपरिक नाट्यों के प्रयोग, शिल्प तथा सिद्धांतों का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य एशियाई पारंपरिक नाट्य से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को भारतीय नाट्य परंपरा का एशियाई देशों में विस्तार से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- एशियाई पारंपरिक नाट्य परंपरा का सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- एशिया के प्रमुख पारंपरिक नाट्योंरूपों कर अध्ययन कर सकेगा
- एशियाई पारंपरिक नाट्य के शिल्प और शैली से परिचित हो सकेगा
- भारतीय कला परंपरा का एशियाई देशों में विस्तार का अध्ययन का सकेगा
- भारतीय कला परंपरा तथा एशियाई देशों के कलारूपों के अंत:संबन्धों के अध्ययनों से बृहत्तर भारत की संकल्पना से परिचय प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला(Inter-action/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	प्रमुख एशियाई देशों के इतिहास तथा सांस्कृतिक परंपराओं का परिचयात्मक अध्ययन- भारतीय संस्कृति का एशियाई देशों में प्रसार	08	02	02	12	20

अन्विति -2	एशियाई पारंपरिक नाट्य तथा चयनित नाट्यरूपों का अध्ययन – कुसान पाला, बालन, आची ल्हमू, कोल्लम एवं नूरती, खोन, पिंगजू , छाम, जत प्वे, लाखोन, तोपेंग , नोह तथा काबुकी आदि ।	**16**	**06**	**02**	**24**	40
अन्विति -3	एशियाई पारंपरिक पुतुल नाट्य - चीन , जापान , थाईलैंड , इंडोनेशिया आदि देशों के पुतुल नाट्यों का विशेष अध्ययन	**08**	**02**	**02**	**12**	20
अन्विति -3	भारतीय कलाओं का एशियाई पारंपरिक नाट्यरूपों के विकास में योगदान , भारतीय आख्यानों तथा महाकाव्यों से विकसित परंपराओं का विशेष अध्ययन	08	02	02	12	20
योग		[illegible]	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंट्रे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• 1. *Ernst, E. (1956). The Kabuki Theatre. New York: Oxford University Press.* • *Scott, A. C. (1955). The Kabuki Theatre of Japan. London: George Allen & Unwin Ltd* • Meittian , Jukka- Asian Traditional Theatre, Theatre Academy of the University of Arts Helsinki. • Bharti, Om Prakash, Traditional Puppetry of South East Asia
2.	संदर्भ-ग्रंथ	• -Holcombe, Charles. *A History of East Asia: From the Origins of Civilization to the Twenty-First Century* (2010). • Ludden, David. *India and South Asia: A Short History* (2013).
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्याका नाम: अभिनय सिद्धांत एवं प्रयोग (संस्कृत,लोक तथा चयनित एशियाई नाट्य रूप)

	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	शास्त्रीय व लोक अभिनय का अभ्यास
कौशल विकास	अभिनय की शास्त्रीय,लोक ,एशियाई

(Name of the Course

2. पाठ्यचर्याकाकोड: MDAC08

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर:दूसरा

(Credit-04) (Semester-second)

गतिविधियाँ	अभिनय शैली को सीखना
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यभारतीय व एशियाईअभिनय पध्दतियों का अध्ययन करते हुए इसका व्यावहारिक कौशल उत्पन्न करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes)

:पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

- भारतीय संस्कृत अभिनय पद्ध्यती का ज्ञान ग्रहण करपाएगा
- विभिन्न लोक नाट्य अभिनय शैलियों से परिचित हो सकेगा
- नाट्य की एशियाई अभिनय परंपरा का ज्ञान प्राप्त करपाएगा
- अभिनय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त क्र सकेगा
- अभिनय के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	संस्कृत नाटकों के अभिनय सिद्धांत	12	01	02	15	25
अन्विति-2	भारतीय लोक नाट्य अभिनय व चयनित एशियाई नाट्य अभिनय	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	व्यावहारिक –1 - संस्कृत अभिनय का अभ्यास	12	02	01	15	25
अन्विति -4	व्यावहारिक -2-	12	02	01	15	2 5

	लोक व एशियाई अभिनय का अभ्यास					
योग			6		60	100

टिप्पणी:

11. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
12. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री काउपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

							लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है। एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त कि

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.अग्रवाल , राम नारायण , साँगीत , राजपाल एंड संस 2. पालीवाल , रीता ,जापानी रंग परम्परा, अनामिका प्रकाशन 3.वात्स्यायन , कपिला , भारतीय पारम्परिक रंगमंच 4 . शास्त्री , बाबूलाल , नाट्य शास्त्र , चौखम्बा प्रकाशन 5 . वात्स्यायन , कपिला,भरत द नाट्य शास्त्र 6. ज़ेअमी, द फ्लावरिंग स्पिरिट
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वात्स्यायन ,कपिला, भारतीय शास्त्रीय नृत्य 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन

		3. सिंघल , डॉ , अरस्तू और भरत , अरुण प्रकाशन , चंडीगढ़ 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या का नाम: हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

(Name of the Course)

4. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC09
(Code of the Course)
5. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय
(Credit-04) (Semester-third)

पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिन्दी नाटक एवं रंगमंच करते हुए इसका कौशल उत्पन्न करना है

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	हिन्दी नाटक रंगमंच
कौशल विकास गतिविधियाँ	रंगमंच व्यवहारिक कौश
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के एतिहासिक पक्ष का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के विभिन्न आयामो से परिचित हो सकेगा
- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के वर्तमान प्रयोग के संदर्भ मे ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

संख्या / अन्विति		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति -1	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का उद्भव और विकास	12	01	02	15	25
अन्विति -2	हिन्दी रंगमंच के प्रमुख नाटककार और उनके नाटक – भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश ,सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, सुरेन्द्र वर्मा आदि ।	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच के वर्तमान प्रयोग- नाट्य निर्देशक तथा अभिनेता	12	02	01	15	25
अन्विति -4	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का व्यावहारिक पक्ष	12	02	01	15	2 5
योग			6	6	60	100

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा

	शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साइट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix) .

	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. वर्मा,रामकुमार,हिन्दी नाटक और रंगमंच,हिंदुस्तानी अकादमी, 2.ओझा,दशरथ,हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,1965 3.सिंह,बच्चन,हिन्दी नाटक,साहित्य भवन प्र.लि.,इलाहाबाद.1958 4.गुप्त,सोमनाथ,हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास,हिन्दी भवन,इलाहाबाद,1950
	संदर्भ ग्रंथ	हिन्दी साहित्य का इतिहास , नगेन्द्र हिन्दी नाटक और रंगमंच- जगदीश गुप्त
2.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि

3.	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	रेखाचित्र बनाना ,मॉडल बनाना,पुस्तकालय
कौशल विकास गतिविधियाँ	पाश्चात्य नाट्य कला परंपरा का ज्ञान, विभिन्न सिद्धांतों का व्यव्हार में प्रयोग का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम:पाश्चात्य रंगमंच (आधुनिक यूरोप के प्रमुख नाटककार एवं नाट्य सिद्धांत सहित)
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC10
(Code of the Course)
6. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर:तीसरा
(Credit-04) (Semester-third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यआधुनिक पाश्चात्य रंगमंच काइतिहास स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को प्रमुख नाटककार व सिधान्तों तथा प्रयोगों का ज्ञान प्रदान करवाना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

- पाश्चात्य रंगमंच के इतिहास का ज्ञान ग्रहण करपाएगा
- पश्चिमी नाट्य ग्रंथों से परिचित हो सकेगा
- नाट्य की वैश्विक परंपरा से परिचय ग्रहण करपाएगा
- पश्चिमी नाटककारो व विभिन्न सिद्धांतों का ज्ञान ग्रहण कर पायेगा
- नाट्यकला के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	पाश्चात्य नाटक का उद्भव तथा विकास--	12	01	02	15	25

अन्विति-2	पाश्चात्य नाटक तथा नाटककार	12	01	02	15	25
अन्विति -3	पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत लेखन एवं मंचन	12	02	01	15	25
अन्विति -4	प्रेक्षागृह एवं विन्यास का विकास क्रम, प्रकाश, वेशभूषा , मंच विन्यास	12	02	01	15	2 5
योग		[redacted]	6	6	60	100

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य

	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

- X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 2. ब्रोकेट , ओस्कर ,हिस्ट्री ऑफ़ थिएटर , पिएर्सन पब्लिकेशन 3.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिध्धांत ,कुसुम प्रकाशन 4 .आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 5 . शर्मा ,देवेन्द्र नाथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,मयूर प्रकाशन , नॉएडा 6. जैन , निर्मला , काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा , वाणी प्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.गुप्त , भरत , ड्रामेटिक कॉन्सेप्ट्स ,डी के प्रिंट वर्ल्ड , दिल्ली 2.मिश्र , विश्वनाथ ,स्तानिस्लाव्स्की ,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 3. महर्षि , अंजला, अ कोम्परिटिव स्टडी ऑफ़ ब्रेख्त एंड क्लासिकल इंडियन थिएटर , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 4.वेलानी , अनमोल , बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: नाट्य लेखन एवं समालोचना का अभ्यास (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(Name of the Cours)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC11

(Code of the Course)
3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय
(Credit-04) (Semester-third)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 1
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	नाट्य समालोचना अभ्यास
कौशल विकास गतिविधियाँ	नाट्य समालोचना संबन्धित का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्य लेखन एवं समालोचना का अभ्यास करते हुए इसका कौशल उत्पन्न करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- नाट्य लेखन के विभिन्न प्रक्रिया एवं पद्धतियो का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- नाट्य समालोचना के विभिन्न आयामो से परिचित हो सकेगा
- नाट्य समालोचना की समीक्षा की व्यवहारिक संदर्भ मे ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- नाट्य लेखन एवं समालोचना से संबन्धित रोजगार की जानकारी प्राप्त कर सकेगा
- नाट्य लेखन एवं समालोचना के आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारतीय नाट्य लेखन	12	01	02	15	25

अन्विति -2	भारतीय नाट्य समालोचना	12	0 1	**2**	15	25
अन्विति -3	पाश्चात्य नाट्य लेखन	12	**02**	**01**	15	25
अन्विति -4	पाश्चात्य नाट्य समालोचना	12	02	01	15	2 5
योग			**6**	**6**	**60**	**100**

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उंपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.तनेजा,जयदेव,आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,2015 2. मिश्र विश्वनाथ,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,कुसुम प्रकाशन 3. द्विवेदी पारसनाथ ,नाट्यशास्त्र का इतिहास, चौखम्बा प्रकाशन 4.जैन,नेमिचन्द्र,रंग दर्शन,राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,2008 5.पावड़े,सतीश,रंगविमर्श,शब्दसृष्टि प्रकाशन,नवी मुंबई,2020
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	प्रस्तुति प्रक्रिया व विन्यास का अभ्यास
कौशल विकास गतिविधियाँ	नाट्य प्रस्तुति का कौशल , मंच -प्रकाश -वेशभूषा विन्यास का कौशल अर्जित करना
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. पाठ्यचर्याका नाम: नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति प्रक्रिया
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्याकाकोड: MDAC12
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर:तीसरा
(Credit-04) (Semester-third)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यनाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति प्रक्रियाका अध्ययन करते हुए इसका व्यावहारिक कौशल उत्पन्न करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

- विभिन्न नाट्य विन्यास का ज्ञान ग्रहण करपाएगा
- विभिन्न नाट्य विन्यास के विकास से परिचित हो सकेगा
- विन्यास के प्रायोगिक पक्ष का ज्ञान प्राप्त क.रपाएगा
- नाट्य प्रस्तुति प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- प्रस्तुति के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	नाट्य विन्यास का इतिहास, सिद्धांत व शैलियाँ	12	01	02	15	25
अन्विति-2	नाट्य विन्यास के विविध पक्ष – मंच विन्यास, प्रकाश विन्यास, वस्त्र विन्यास तथा रूपसज्जा आदि	12	0 1	2	15	25

अन्विति -3	व्यावहारिक –1 – प्रस्तुति प्रक्रिया	12	02	**01**	15	25
अन्विति -4	व्यावहारिक -2- विभिन्न विन्यास का अभ्यास	12	02	01	15	2 5
योग		**48**	**6**	**6**	**60**	**100**

टिप्पणी:

15. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
16. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	X	X	X	X	X	-	-	-

परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

- X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.शर्मा , एच वी , चतुरस्र मध्यमा नाट्यमंडप ,राष्ट्रिय नाट्य विद्यालय 2. चतुर्वेदी , रवि , दृश्य विन्यास ,पब्लिकेशन स्कीम , जयपुर 3.दासगुप्ता, जी एन , मंच आलोकन ,नेशनल बुक ट्रस्ट 4 .शास्त्री , बाबूलाल ,नाट्य शास्त्र ,चौखम्बा प्रकाशन , वाराणसी 5 . भारती, ओम प्रकाश- नाट्य विन्यास एवं प्रस्तुति(संपादित)
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.वेलानी , अनमोल ,बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया आर्ट्स फाउंडेशन 2.आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 3. बेंटले , एरिक , द थ्योरी ऑफ़ मॉडर्न स्टेज, 4.वरद्पांडे , मनोहर , हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन थिएटर , अभिनव प्रकाशन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्याका नाम: समकालीन रंगमंच की विविध धाराएं (भारतीय एवं पाश्चात्य)
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्याकाकोड: MDAC13
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर:चतुर्थ
(Credit-04) (Semester- fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):
प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यसमकालीनरंगमंच की विविध धाराएँ
स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को प्रमुख नाट्य प्रयोगों का ज्ञान प्रदान करवाना है।

घटक	घंटे
कक्षा/आनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	रेखाचित्र बनाना ,मॉडल बनाना,पुस्तकालय
कौशल विकास गतिविधियाँ	विभिन्न नाट्य धाराओं का अभ्यास द्वारा कौशल अर्जित करना , विभिन्न सिद्धांतों का व्यव्हार में प्रयोग का ज्ञान
कुल क्रेडिटघंटे	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

. वैश्विक रंगमंच की विभिन्न धाराओं के इतिहास व सिद्धांत का ज्ञान ग्रहण करपाएगा

- विभिन्न वादों व उसके व्यावहारिक प्रयोग से परिचित हो सकेगा
- भारतीय समकालीन रंगमंच के प्रयोगों का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा
- भारतीय समकालीन रंगमंच के नाटक व नाटककारों को समझ सकेगा
- नाट्यकला के विविध आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति-1	समकालीन रंगमंच के सिद्धांत एवं प्रयोग (वैश्विक)	12	01	02	15	25
अन्विति-2	कला तथा रंगमंच विभिन्न के वादों का अध्ययन	12	01	02	15	25
अन्विति -3	भारतीय समकालीन रंगमंच के विविध प्रयोग	12	02	01	15	25
अन्विति -4	भारतीय समकालीन रंगमंच के प्रमुख नाट्य प्रयोक्ता	12	02	01	15	2 5
योग		48	6	6	60	100

टिप्पणी:

-माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
-प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

-X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

-एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

(२ ६३)

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. चेनी , शेल्डन ,रंगमंच, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान 2. ब्रोकेट , ओस्कर ,हिस्ट्री ऑफ़ थिएटर , पिएर्सन पब्लिकेशन 3.मिश्र , विश्वनाथ , भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिध्धांत ,कुसुम प्रकाशन 4 . आनंद , महेश , रंगमंच के सिद्धांत , राजकमल प्रकाशन 5 . शर्मा ,देवेन्द्र नाथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,मयूर प्रकाशन , नॉएडा

		6. जैन , निर्मला , काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा , वाणी प्रकाशन
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.गुप्त , भरत , ड्रामेटिक कॉन्सेप्ट्स ,डी के प्रिंट वर्ल्ड , दिल्ली 2.मिश्र , विश्वनाथ ,स्तानिस्लाव्स्की ,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 3.महर्षि , अंजला, अ कोम्परिटिव स्टडी ऑफ़ ब्रेख्त एंड क्लासिकल इंडियन थिएटर , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 4.वेलानी , अनमोल , बियॉन्ड द प्रोसीनियम ,इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय भाषाओं का रंगमंच

(मराठी ,बंगला,कन्नड,मलयालम,सामिया,मणिपुरी का संक्षिप्त परिचय या किसी एक का विशिष्ट अध्ययन

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC14
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit-04) (Semester-4th)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय भाषाओं का रंगमंच का अध्ययन करते हुए भाषायी कौशल उत्पन्न करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	भारतीय भाषाओं का रंगमंच
कौशल विकास गतिविधियाँ	भारतीय नाट्यभाषाओं का कौशल
कुल क्रेडिट घंटे	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- भारतीय नाट्य भाषा का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा।
- मराठी रंगमंच की विशेषताओं से परिचित हो सकेगा।

- बंगला रंगमंच की विशेषताओं से परिचित हो सकेगा।
- कन्नड,मलयालम,आसामिया,मणिपुरी रंगमंच का संक्षिप्त परिचय।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारतीय भाषाओं के रंगमंच तथा विविध नाट्य धाराएं	12	01	02	15	25
अन्विति -2	मराठी रंगमंच का अध्ययन	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	कन्नड रंगमंच का अध्ययन	12	02	01	15	25
अन्विति -4	बांग्ला,मलयालम, गुजराती,पंजाबी, ओड़िया, असामिया,मणिपुरी का संक्षिप्त परिचय	12	02	01	15	2 5
योग		48	6	6	60	100

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो

विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

-X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

-एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.डॉ अज्ञात,भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास,पुस्तक संस्थान,कानपुर,1978 2.लाल,लक्ष्मीनारायण,रंगमंच और नाटक की भूमिका,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली,1965 3.चातक,गोविंद,नाट्यभाषा,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली, 4.नाट्यभाषा की परख,सहित्यगार पुस्तक प्रकाशन,जयपुर,(लेखक अज्ञात) 5.
2.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
3.	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: कला नीति, प्रबंधन एवं संरक्षण

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC15

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit-04) (Semester- First)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12 +8 =20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	क्षेत्रकार्य के अंतर्गत किसी एक राष्ट्रीय संस्थान का विशेष अध्ययन
कौशल विकास गतिविधियाँ	विभिन्न कला संस्थानों के प्रशासनिक तथा सांगठिक ढाँचा को समझेगा तथा कला प्रशासन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेगा।
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कला नीति एवं प्रबंधन से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न समय में बनी कला नीति से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- विभिन्न समय में बनी कला नीति का अध्ययन करना
- नाट्य प्रस्तुति के संदर्भ में प्रबंधन का अध्ययन करना
- कला प्रबंधन का पारंपरिक ज्ञान का अध्ययन करना
- विभिन्न कला संस्थानों के प्रशासनिक तथा सांगठनिक ढाँचा को समझना
- कला प्रशासक के गुणों तथा व्यक्तित्व को समझना

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारत में कलानीति का विकास- कला अभ्यास कानून,अधिनियम, कॉपीराइट तथा सेंसरशिप तथा कला	08	02	02	12	20

	प्रबंधन					
अन्विति -2	कला प्रबंधन तथा प्रशासन	**08**	**02**	**02**	**12**	20
अन्विति -3	राष्ट्रीय अकादेमी एवं कला संस्थान की स्थापना तथा प्रशासनिक संरचना, प्रमुख कलाकार तथा पुरस्कार	**16**	**06**	**02**	**24**	40
अन्विति -4	कला प्रलेखन एवं संरक्षण	08	02	02	12	20
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	**100**

टिप्पणी:

-माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

-प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित है।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम	**X**	-	**X**	**X**	**X**	-	-	-

परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

-X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

-एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र**	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नाट्य प्रस्तुति – प्रकाश के. नंदी 2. रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण

		3. भारत का संवैधानिक विकास 4. हमारा संविधान – सुभाष कश्यप 5. Preservation of Art objects- O P Agrawal
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. जनसंपर्क प्रबंधन – कुमुद शर्मा 2. संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन।
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: लघु शोध

(Name of the Course)

7. पाठ्यचर्या का कोड: MDAC16

(Code of the Course)

8. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit-04) (Semester- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य शोध प्रक्रिया से सामान्य परिचय करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- विद्यार्थियों में शोध अभिरूचि जगाना
- नाट्यकला के क्षेत्र में शोध को उत्साहित करना

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8+6= 14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	क्षेत्रीय सर्वेक्षण
कौशल विकास गतिविधियाँ	भारतीय कला परंपरा का ज्ञान एवं संकलन
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	शोध की अवधारणा तथा प्रविधि, विषय का चयन	06	04	11	21	35
अन्विति -2	शोध के प्रकार और आयाम	05	02	14	21	35
अन्विति -2	शोध मार्गदर्शन	-	-		18	30
योग		46	08	6	60	100

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

- X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

	पाठ्यसामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

संयोजक

पाठ्यक्रम निर्माण

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

30/10/2020
विभागाध्यक्ष /संकायाध्यक्ष

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

संयोजक 30/10/2020

पाठ्यक्रम निर्माण

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

30/10/2020
विभागाध्यक्ष /संकायाध्यक्ष

२२७

एम. ए . (नाट्यकलाशास्त्र)

सत्र- 2020-2022

ऐच्छिक कुल क्रेडिट -26

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06+04=10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	संग्रहालयों/ई -संग्रहालय एवं अन्य पुरातात्विक स्थलों का व्यतिगत परिभ्रमण
कौशल विकास गतिविधियाँ	नाट्यकला के अलावा अन्य क्षेत्रों में नाट्यकला की उपयोगिता को समझ सकेगा
कुल क्रेडिट घंटे	30

1. **पाठ्यचर्या का नाम:**
   नाट्यकला तथा उसके विविध आयाम (ऐच्छिक)

   (Name of the Course)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** MDAE01
(Code of the Course)
3. **क्रेडिट: 02** **4. सेमेस्टर:** प्रथम
(Credit-02) **(Semester- First)**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्यकला तथा उसके विविध आयाम से विद्यार्थियों को अवगत करना है।
6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- नाट्यकला तथा उसके विविध आयामों भारतीय से परिचित हो सकेगा
- नाट्यकला का जनसंचार माध्यम के रूप में उपयोग का अध्ययन कर सकेगा
- शिक्षण माध्यम के रूप में नाट्यकला का अध्ययन कर सकेगा
- सामाजिक कार्य में नाट्यकला का अध्ययन कर सकेगा
- फिल्म के क्षेत्र में नाट्यकला की उपयोगिता का अध्ययन कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

Scanned with CamScanner

अन्विति -1	नाट्यकला के विविध आयाम- जनसंचार, शिक्षण माध्यम तथा सामाजिक कार्य के रूप में नाट्यकला का उपयोग	**10**	**03**	**02**	15	50
अन्विति -2	नाट्यकला और सिनेमा	**10**	03	**02**	**15**	50
योग		**20**	**06**	**04**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	-	-

Scanned with CamScanner

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. रंग दर्शन – नेमिचंद्र जैन 2. पालीवाल,रीता रानी,रंगमंच नया परिदृश्य , लिपि प्रकाशन,नई दिल्ली,1968

Scanned with CamScanner

		3.रस्तोगी,गिरीश,समकालीन नाटक की सघर्ष चेतना,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,अनामिका पब्लिसर्श,नई दिल्ली 4. प्रज्ञा,नुक्कड नाटक रचना और प्रस्तुति, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2006 5. सिनेमा कल आज कल – विनोद भारद्वाज 6. सिनेमा और साहित्य – विजय शर्मा
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय कलाएं (ऐच्छिक)

(Name of the Course)

4. पाठ्यचर्या का कोड:

(Code of the Course): MDAE-02

5. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit-04) (Semester- First)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8+6= 14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	लोक कलाओं का पर्यवेक्षण
कौशल विकास गतिविधियाँ	भारतीय कला परंपरा का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य नाट्यशास्त्र से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को भारतीय नाट्य चिंतन और प्रयोग से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय शास्त्रीय, लोक तथा आदिवासी कलाओं का सामान्य परिचय ग्रहण कर पाएगा
- भारत की सांस्कृतिक विविधता से परिचित हो सकेगा
- शास्त्रीय तथा प्रमुख लोकनृत्यों को जान सकेगा
- चित्रकला की लोक परंपरा तथा समकालीन कलाओं को समझ सकेगा

Scanned with CamScanner

- भारत रत्न से सम्मानित कलाकारों के उल्लेखनीय योगदानों को जान सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	कला- अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ भारतीय कलाओं का आध्यात्मिक पक्ष, कला सौंदर्य कला का कालक्रमिक विकास- सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर 16वीं सदी तक	08	04	03	15	25
अन्विति -2	भारत की लोक कलाएँ - अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ , वर्गीकरण। लोकनाट्य लोकगायन, लोक गाथा लोक चित्रकला, लोकनृत्य, पुतुल, जनजातीय कला आदि का विशेष अध्ययन	013	04	03	20	30
अन्विति -3	शास्त्रीय कलाएँ – नृत्य और संगीत का विशेष अध्ययन	10	02	03	15	25
अन्विति -4	प्रमुख(राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त) कलाकार तथा उनका योगदान	06	02	02	10	20
योग		37	12	11	60	100

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

Scanned with CamScanner

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X		X	X	-	-	-

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र*	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

Scanned with CamScanner

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजन।/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. गौरवशाली भारतीय संस्कृति – प्रो. रजनीश शुक्ल, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली। 2. स्वतंत्र कलाशास्त्र - के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 3. कला विवेचन- कुमार विमल , भारती भवन,पटना 4.कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 5 काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद , पञ्चम संस्करण,1958 6. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 7. पाश्चात्य कला – ममता चतुर्वेदी , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी , जयपुर 8. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली 9. लोकायन - ओम प्रकाश भारती, धरोहर प्रकाशन , साहिबाबाद
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. अद्भुत भारत – एल. वाशम 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर, वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर, अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद, 1958)

Scanned with CamScanner

		4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा में रंगमंच
(Name of the Course)
2. पाठ्यचर्या का कोड:MDAE03
(Code of the Course)
6. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: दूसरा
(Credit-04) (Semester- second)

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यशिक्षा में रंगमंच की भूमिका व महत्व को समझना है . प्राथमिक . माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा में रंगमंच की तकनीकों का महत्व व ज्ञान प्रदान करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes):पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा-

- शिक्षा में रंगमंच की भूमिका का अध्ययन कर सकेगा
- शिक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे भारतीय संस्थानों के कार्य का अध्ययन
- विभिन्न वैश्विक संस्थानों का अध्य्यन व तकनीकों की समझ
- नाट्यकला के विविध आयामों को समझ सकेगा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	स्कूल तथा एजुकेशन सिस्टम में रंगमंचीय कार्य करना ,कार्यशाला व प्रस्तुति करना
कौशल विकास गतिविधियाँ	शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ कार्य करने का कौशल विकसित करना
कुल क्रेडिटघंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

Scanned with CamScanner

संख्या / अन्विति		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति-1	शिक्षा में रंगमंच की अवधारणा एवं सिद्धांत एवं इतिहास	12	01	02	15	25
अन्विति-2	शिक्षण के विभिन्न कलात्मक माध्यम और रंगमंच	12	01	02	15	25
अन्विति -3	भारतीय संस्थानों के कार्यों का अध्ययन	12	02	01	15	25
अन्विति -4	वैश्विक संस्थानों के कार्य का अध्ययन	12	02	01	15	2 5
योग		48	6	6	60	100

टिप्पणी:

-माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

Scanned with CamScanner

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Redington, Christine Ann (1979) Theatre in education: an historical and analytical study. 2.https://www.scirp.org/journal/paperinformation.aspx?paperid=51457 3. Prentki, Tim (2013-10-31). *The Applied Theatre Reader* *4.* Monica Prendergast; Juliana Saxton, eds. (2009). *Applied Theatre, International Case Studies and Challenges for Practice*. Briston, UK: Intellect Publishers. 5. Jackson, Anthony, and Chris Vine. Learning through Theatre: The Changing Face of Theatre in Education. 3rd ed. New York: Routledge, 6. Weber, Anna Marie; Haen, Craig (2005). *Clinical Applications of Drama Therapy in Child and Adolescent Treatment*. New York: Brunner-Routledge राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में उपलब्ध सामग्री सी सी आर टी में उपलब्ध सामग्री
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. Jackson, Anthony, and Chris Vine. Learning through Theatre: The Changing Face of Theatre in Education. 3rd ed. New York: Routledge, 2013. Print.2. Tarlington & Verriour (1991). Role Drama. Portsmouth, NH: Heinemann Educational Books. ISBN 0-921217-67-6
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्या का नाम: कला पत्रकारिता

(Name of the Course)

1. पाठ्यचर्या का कोड: MDAE04
(Code of the Course)

2. क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Credit-02) (Semester- Second)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	21
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +3= 09
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं में लेख लिखना
कौशल विकास गतिविधियाँ	कला पत्रकार के रूप में विभिन्न समाचार समूह में काम कर सकेगा
कुल क्रेडिटघंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कला पत्रकारिता का अध्ययन करते हुए इसका कौशल उत्पन्न करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- विविध कलाएं, उनकी प्रस्तुति तथा नाटक, रंगमंच से संबन्धित पत्रकारिता का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- विविध कलाओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेगा
- नाटक एवं रंगमंच की समीक्षा के संदर्भ मे ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- पत्रकारिता के संदर्भ मे ज्ञान प्राप्त कर सकेगा
- कला एवं नाट्य पत्रकारिता के आयामों को समझ सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाल		

Scanned with CamScanner

अन्विति -1	पत्रकारिता के विविध आयाम और कला पत्रकारिता	**7**	**02**	**01**	**10**	33.03
अन्विति -2	कला पत्रकारिता के मानदंड , कला पत्रकारों का व्यक्तित्व, गुण तथा दायित्व	**07**	0 2	**01**	**10**	33.03
अन्विति -3	विविध कला रूपों का परिचयात्मक अध्ययन तथा कला पत्रकारिता का इतिहास	07	**02**	**01**	**10**	33.03
योग		**21**	**6**	**3**	**30**	**100**

टिप्पणी:

-माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

Scanned with CamScanner

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नटराजन,जे., भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, प्रकाशन विभाग भारत सरकार , नई दिल्ली 2. चतुर्वेदी, जगदीश, हिन्दी पत्रका᳚िता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली 3. ओझा, दशरथ - नाट्य –समीक्षा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 4. आनंद ,महेश – भारतीय रंग कोश, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , नई दिल्ली 5. नसीम,कमाल, ग्रीक नाट्य काला कोश , राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली 2. मिश्र विश्वनाथ,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,कुसुम प्रकाशन 3. द्विवेदी हजारीप्रसाद,प्राचीन भारत का कला विलास, जनेरल प्रिंटिंग,कलकत्ता 4.चातक,गोविंद,रंगमच:कला और दृष्टि,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली,१९७६ नटरंग, रंग प्रसंग , संगना , नाट्य भारती , रंगायन आदि
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1.पारख,जबरिमल,जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य,ग्रंथशिल्पी,नई दिल्ली 2. जैन , नेमिचन्द – रंग दर्शन
3.	ई-संसाधन	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फिल्में।

Scanned with CamScanner

4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

1. पाठ्यचर्या का नाम:
लोक कला एवं लोकनाट्य

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAE05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तीसरा
(Credit-02) (Semester- Third)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+06= 18
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	लोकनाट्य महोत्सवों का पर्यवेक्षण
कौशल विकास गतिविधियाँ	लोकनाट्यों की अभिनय पद्धति तथा शिल्प का ज्ञान
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पारंपरिक एवं लोकनाट्य से विद्यार्थियों को अवगत करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- लोक कलाओं की परंपरा से परिचित हो सकेगा
- लोकनाट्यों का अध्ययन कर सकेगा
- लोक नृत्य, लोकगीत , लोकगाथा तथा लोक चित्रकला का अध्ययन कर सकेगा
- लोकशिल्प तथा पुतुल कला का अध्ययन करेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

Scanned with CamScanner

अन्विति -1	लोक कला- अर्थ, परिभाषा,विशेषताएं ,वर्गीकरण	**08**	**02**	**02**	12	20
अन्विति -2	लोक कलाओं के विविध रूप - लोक नृत्य, लोकगीत , लोकगाधा तथा लोकचित्र कला रूपों का परिचयात्मक अध्ययन	**22**	06	**02**	**24**	40
अन्विति -3	लोक नाट्यरूपों का परिचयात्मक अध्ययन	12	04	02	18	30
अन्विति -4	प्रमुख लोक कलकारों का अध्ययन	**04**	**01**	**01**	**06**	10
योग		**42**	**12**	**06**	**60**	**100**

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य 1**	**लक्ष्य 2**	**लक्ष्य 3**	**लक्ष्य 4**	**लक्ष्य 5**	**लक्ष्य 6**	**लक्ष्य 7**	**लक्ष्य 8**
पाठ्यचर्या द्वारा	X	-	x	X	X	-	-	-

Scanned with CamScanner

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

Scanned with CamScanner

		(APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	माथुर ,जगदीशचंद्र – परंपराशील नाट्य , बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना। वत्सायन, कपिला – परम्पराशील नाट्य की अनंत धाराएं , नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली। त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण – भारत के लोकनाट्य। भारती, ओम प्रकाश -बिहार के पारंपरिक नाट्य, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र , प्रयागराज भारती, ओम प्रकाश- पूर्वोत्तर के पारंपरिक नाट्य, धरोहर प्रकाशन, साहिबाबाद
2.	संदर्भ-ग्रंथ	भनावत, महेंद्र - लोकनाट्य परंपरा और प्रवृति गार्गी, बलवंत - इंडियन फोक थियेटर
3.	ई-संसाधन	
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या का नाम: रंगमंच और समाज कार्य
(Name of the Course)

3. पाठ्यचर्या का कोड: MDAE06
(Code of the Course)

4. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: तृतीय
(Credit-04) (Semester-third)

ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6 +6= 12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	रंगमंच और समाज कार्य
कौशल विकास गतिविधियाँ	सामाजिक रंगमंच का व्यवहारिक कौशल का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य रंगमंच और समाज कार्य करते हुए इसका कौशल उत्पन्न करना है

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा –

- रंगमंच और समाज कार्य का ज्ञान ग्रहण कर पाएगा
- रंगमंच और समाज कार्य विभिन्न आयामो से परिचित हो सकेगा
- रंगमंच और समाज कार्य संदर्भ मे ज्ञान प्राप्त कर पाएगा
- रंगमंच और समाज कार्य का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)		कुल

Scanned with CamScanner

संख्या / अन्विति		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
अन्विति -1	समाजकार्य की अवधारणा तथा विविध आयाम, भारत में समाज कार्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, समाज कार्य के मूल्य सिद्धांत और नैतिकताएं	12	01	02	15	25
अन्विति -2	समाजकार्य का उद्देश्य, प्रकार, भारत के प्रसिद्ध समाजसेवी	12	0 1	2	15	25
अन्विति -3	समाज कार्य के कलात्मक माध्यम तथा रंगमंच	12	02	01	15	25
अन्विति -4	भारत में पारंपरिक समाज कार्य ,सामुदायिक रंगमंच और जन जागरण	12	02	01	15	2 5
योग		48	6	6	60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, डेमो
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन ,नाट्यप्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग, प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,प्रयोगशाला तकनीक द्वारा अभ्यास

Scanned with CamScanner

उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय ,वेब साईट इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

Scanned with CamScanner

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. समाज कार्य परिभाषा कोष, वैज्ञानिक शब्दावली आयोग, नई दिल्ली 2. पालीवाल,रीता रानी,रंगमंच नया परिदृश्य , लिपि प्रकाशन,नई दिल्ली,1968 3.रस्तोगी,गिरीश,समकालीन नाटक की सघर्ष चेतना,भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त ,अनामिका पब्लिसर्श,नई दिल्ली 4. प्रज्ञा,नुक्कड नाटक रचना और प्रस्तुति, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,नई दिल्ली,2006 5 .शास्त्री,राजराम,समाजकार्य,हिन्दी समिति सूचना विभाग,लुखनऊ,1970 6 . आहूजा,राम,भारतीय समाज,रावत पब्लिकेसन्स,जयपुर,2007
2.	ई-संसाधन	http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/29918 ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो , विभिन्न वेब साईट एवं व्याख्यान इत्यादि
3.	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

Scanned with CamScanner

1. पाठ्यचर्या का नाम: कला नीति, प्रबंधन एवं संरक्षण

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAE07

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04 4. सेमेस्टर: चौथा
(Credit-04) (Semester- Fourth)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कला नीति एवं प्रबंधन से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न समय में बनी कला नीति से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12 +8 =20
व्यावहारिक/ प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	क्षेत्रकार्य के अंतर्गत किसी एक राष्ट्रीय संस्थान का विशेष अध्ययन
कौशल विकास गतिविधियाँ	विभिन्न कला संस्थानों के प्रशासनिक तथा सांगठिक ढाँचा को समझेगा तथा कला प्रशासन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेगा।
कुल क्रेडिट घंटे	60

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- विभिन्न समय में बनी कला नीति का अध्ययन करना
- नाट्य प्रस्तुति के संदर्भ में प्रबंधन का अध्ययन करना
- कला प्रबंधन का पारंपरिक ज्ञान का अध्ययन करना
- विभिन्न कला संस्थानों के प्रशासनिक तथा सांगठनिक ढाँचा को समझना
- कला प्रशासक के गुणों तथा व्यक्तित्व को समझना

Scanned with CamScanner

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	भारत में कलानीति का विकास- कला अभ्यास कानून,अधिनियम ,कॉपीराइट तथा सेंसरशिप तथा कला प्रबंधन	08	02	02	12	20
अन्विति -2	कला प्रबंधन तथा प्रशासन	08	02	02	12	20
अन्विति -3	राष्ट्रीय अकादेमी एवं कला संस्थान की स्थापना तथा प्रशासनिक संरचना, प्रमुख कलाकार तथा पुरस्कार	16	06	02	24	40
अन्विति -4	कला प्रलेखन एवं संरक्षण	08	02	02	12	20
योग		40	12	08	60	100

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

Scanned with CamScanner

उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

-X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

-एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)	**मौखिकी (20%)**

Scanned with CamScanner

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नाट्य प्रस्तुति – प्रकाश के. नंदी 2. रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण 3. भारत का संवैधानिक विकास- आर. सी. अग्रवाल 4. हमारा संविधान – सुभाष कश्यप 5. Preservation of Art objects- O P Agrawal
2.	संदर्भ-ग्रंथ	1. जनसंपर्क प्रबंधन – कुमुद शर्मा 2. संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन।
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

Scanned with CamScanner

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06 +04 =10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	क्षेत्रकार्य के अंतर्गत किसी एक राष्ट्रीय संस्थान का विशेष अध्ययन
कौशल विकास गतिविधियाँ	बृहतर भारत की सांस्कृतिक तथा कला परंपरा को समझ सकेगा। कला के क्षेत्र में भारतीय डायस्पोरा देशों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेगा।

Scanned with CamScanner

कुल क्रेडिट घंटे	30

1. पाठ्यचर्या का नाम:

भारतीय डायस्पोरा देशों के कलारूपों का परिचयात्मक अध्ययन

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: MDAE 08
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit-04) (Semester- First)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course): प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कला नीति एवं प्रबंधन से सामान्य परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को विभिन्न समय में बनी कला नीति से संबंधित ज्ञान प्रदान करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes): पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा -

- भारतीय कला एवं संस्कृति का विदेशों में प्रसार का अध्ययन करना
- बृहतर भारत की सांस्कृतिक परंपरा को समझना
- गिरमिटिया कलारूपों का अध्ययन करना
- विस्थापन तथा कला के अंत:संबन्धों का अध्ययन करना

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
अन्विति -1	औपनिवेशिक काल में विस्थापन की ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि	04	01	01	06	20
अन्विति -2	शर्तबंदी (गिरमिट) व्यवस्था तथा विभिन्न देशों में भारतीय डायस्पोरा	04	01	01	06	20
अन्विति -3	केरेबियन क्षेत्र,मारिशस तथा दक्षिण अफ्रीका में भारतीय डास्यपोरा तथा कलारूप-	06	02	01	09	30

Scanned with CamScanner

अन्विति -4	दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में भारतीय डास्यपोरा तथा कलारूप- फ़िजी, ब्रिटिश गुयाना	06	02	01	09	30
योग		20	06	04	30	100

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, पी पी टी /फिल्म प्रदर्शन विधि तथा संवाद विधि, पर्यवेक्षण विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, कला संग्रहालय इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए :

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	-	X	X	X	-	-	-

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

Scanned with CamScanner

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Chand, T. (1972). *"History of The Freedom Movment in India"*. New Delhi. Chandr, V. (1990). *"Bharat Ka Svatantrata Sanghrsh"*. Delhi: Delhi Vishvidhyalay.

Scanned with CamScanner

		Chaube, S. k. (2000). *"Upniveshavad Svatantrtaa Sangram aur Rashtravad"*. Granth shilpee. Claude, M. (2004). *"A History of Modern India, 1480-1950"*. Anthem Press . Emmer, P. C. (1987). *"Colonialism and Migration: Indentured Labour Before and After Slavery"*. Martinus: Nijhof. J.Prsad. (1985). *"Fiji Mein Parvasi Bhartiy"*. New Delhi: Bhartiy Sanskritik sambandh parisad. Jhaa, D. N. (1980). *"Prachin Bharat ka itiha"*. Delhi: Delhi Vishvvidhyalay. Lal, B. V. (2000). *Chalo jahaji: On a journey through Indenture in Fiji* . RSPAS. LAL, B. V. (2006). *The encyclopedia of the Indian diaspora.* Prahlad, R. (2004). *Mauritius ka itihas.* Delhi : Vaani prakashan. Sanadhya, T. (1973). *Fiji mein mere 21 varsh* . Agara: Vani Prakashan.
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

संयोजक

30/10/2021
(संकायाध्यक्ष/ विभागाध्यक्ष)

Scanned with CamScanner

		Chaube, S. k. (2000). *"Upniveshavad Svatantrtaa Sangram aur Rashtravad"*. Granth shilpee. Claude, M. (2004). *"A History of Modern India, 1480-1950"*. Anthem Press . Emmer, P. C. (1987). *"Colonialism and Migration: Indentured Labour Before and After Slavery"*. Martinus: Nijhof. J.Prsad. (1985). *"Fiji Mein Parvasi Bhartiy"*. New Delhi: Bhartiy Sanskritik sambandh parisad. Jhaa, D. N. (1980). *"Prachin Bharat ka itiha"*. Delhi: Delhi Vishvvidhyalay. Lal, B. V. (2000). *Chalo jahaji: On a journey through Indenture in Fiji* . RSPAS. LAL, B. V. (2006). *The encyclopedia of the Indian diaspora.* Prahlad, R. (2004). *Mauritius ka itihas.* Delhi : Vaani prakashan. Sanadhya, T. (1973). *Fiji mein mere 21 varsh* . Agara: Vani Prakashan.
2.	संदर्भ-ग्रंथ	
3.	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय , सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित नाट्यशास्त्र विषयक फिल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

संयोजक / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

30/10/2020
(संकायाध्यक्ष/ विभागाध्यक्ष)

Scanned with CamScanner